प्रशिक्षण शिष्यों को प्रशिक्षित करना
सत्र 20: शिष्य चुनना (9c)

रॉन लाइवली, एम.डिव., एम.ए. द्वारा प्रस्तुत – BiblicalMentoring.org (अध्ययन)

चरण 1: प्रारंभिक प्रार्थना

चरण 2: हर व्यक्ति स्मृति श्लोक उद्धृत करता है: छंद चरण: **गलातियों 6:1-2**
1 भाइयो, यदि कोई किसी पाप में फँस जाए, तो तुम जो आध्यात्मिक हो
उसे कोमलता की भावना में पुनर्स्थापित करना चाहिए।
अपने ऊपर नजर रखो, नहीं तो तुम भी प्रलोभित हो जाओगे।
2 एक-दूसरे के बोझ उठाओ, और इस प्रकार मसीह के कानून को पूरा करो।

चरण 3: *बाइबल अध्याय के पूरे या कुछ हिस्से को पढ़ें और चर्चा करें* **– गलातियों 6**

चरण 4*:* व्यक्तिगत आवेदन और/या समूह चर्चाओं के लिए प्रश्न:

एक. फिलिप्स हमें याद दिलाते हैं कि आध्यात्मिक रूप से बढ़ने के लिए शिष्य को सिखाने योग्य, कमजोर और खुला होना चाहिए।

दो. लेखक लिखते हैं कि एक मृत व्यक्ति का ईश्वर और उसके प्रशिक्षक के प्रति एकमात्र उपयुक्त उत्तर आनंदित और सक्रिय समर्पण है।

तीन. हम शिष्य-निर्माता बनने की प्रक्रिया के चार चरण सीखेंगे, जो परमेश्वर के उस योजना को पूरा करता है कि वह प्रजनन के माध्यम से अपनी कलीसिया (राज्य) का विस्तार करे।

चार. किसी को प्रशिक्षण के लिए भर्ती करते समय ध्यान रखें कि केवल पवित्र आत्मा ही लोगों को शिष्यत्व संबंध के लिए बुलाता है।

पाँच. किसी भी रिश्ते में, जिसमें शिष्यत्व संबंध भी शामिल है, यह परिभाषित करना महत्वपूर्ण है कि क्या अपेक्षित है।

चरण 5*: पुस्तक की सामग्री पढ़ें और चर्चा करें:*

अध्याय 9c लेखक – कीथ फिलिप्स के अनुसार:

आपका संभावित शिष्य सक्रिय रूप से आपके अधीन होना चाहिए। सक्रिय समर्पण केवल सहमति या निष्क्रिय आज्ञाकारिता के विपरीत है; यह उन क्षेत्रों में पहल करना है जो किसी के विकास को प्रभावित करते हैं। एक शिष्य को परिपक्वता की ओर मार्गदर्शन पाने के लिए अपने नेता की दिशा में उत्सुकता से खोजनी चाहिए। उसे उन क्षेत्रों में पारदर्शी और संवेदनशील होना चुनना चाहिए जो अन्यथा छिपे रह सकते हैं। इफिसियों 4:15 कहता है कि हमें सभी को प्रेम में सत्य बोलना चाहिए ताकि हम मसीह में बढ़ सकें। एक शिष्य अपने दुखों और असफलताओं को जल्दी साझा करता है। याकूब 5:16 सिखाता है, "इसलिए, अपने पापों को एक-दूसरे के सामने स्वीकार करो... ताकि तुम ठीक हो सको...." वह खुद को छुपाकर अपनी रक्षा करने का प्रयास नहीं करता। तुम उसके बोझ तब तक नहीं उठा सकते जब तक वह उन्हें साझा न करे (गलातियों 6:2)। अपने संघर्षों को संप्रेषित न करना यह दर्शाता है कि वह या तो परमेश्वर के मानक को ईमानदारी से जानना नहीं चाहता या फिर उसे जीने का चुनाव नहीं करता। एक दोस्त कामवासना के साथ एक गंभीर संघर्ष कर रहा था। गेटो की खुली अस्वच्छता ने उसे पूरी तरह पराजित कर दिया था। उसने भगवान से इतने वादे तोड़ दिए थे कि वह एक सामान्य झूठा है। शैतान ने कड़ी लड़ाई लड़ी कि स्वीकारोक्ति का मतलब नेतृत्व की जिम्मेदारियां खोना और अपनी गतिविधियों में कड़ी प्रतिबंधितता होगी। लेकिन वह जानता था कि बिना स्वीकारोक्ति, शुद्धिकरण और विजय के जारी रखना उसकी उपयोगिता को नष्ट कर देगा और दूसरों में कामुकता को पुनः उत्पन्न करने की ओर ले जाएगा। अंत में, उसने महसूस किया कि वह यह लड़ाई अकेले नहीं जीत सकता।

उन्होंने तय किया कि वे मसीह की समानता से कम कुछ नहीं चाहते, चाहे इसकी कीमत कुछ भी हो। उनकी जिम्मेदारियां सीमित हो गईं, उनकी स्वतंत्रता सीमित हो गई और उनके गर्व को भारी चोट लगी। लेकिन करीबी जवाबदेही, नियमित प्रोत्साहन और बहुत प्रार्थना के माध्यम से, भगवान ने उन्हें विजय दी। आज वे शुद्ध हैं और सफलतापूर्वक सेवा कर रहे हैं। कठिन क्षेत्रों को प्रकट करके, आपका संभावित शिष्य अपनी वृद्धि को बनाए रखेगा और आप पर विश्वास दिखाएगा। जितना अधिक वह सक्रिय रूप से समर्पण करेगा, उतना ही बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त होगा। सक्रिय समर्पण उसके आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। एक मृत व्यक्ति की ईश्वर और अपने शिष्य के प्रति एकमात्र उपयुक्त प्रतिक्रिया आनंदित और सक्रिय समर्पण है। अपने संभावित शिष्य से वादा करें कि उसकी समर्पण के आधार पर आप उसे उसके जीवन के सभी क्षेत्रों में जवाबदेह ठहराएंगे। पौलुस ने आर्चिपस को जवाबदेह ठहराया: "... सुनिश्चित करो कि तुम प्रभु में प्राप्त कार्य पूरा करो" (कुलुस्सियों 4:17 NIV)। हर शिष्य को अधिक विकास होता है यदि वह किसी और के प्रति जिम्मेदार हो। निजी तौर पर उसकी प्रशंसा की जा सकती है, प्रोत्साहित किया जा सकता है, चुनौती दी जा सकती है या फटकार दी जा सकती है, बिना गर्व को जगाए या शर्मिंदगी पैदा किए। ईसाई जीवन अनुशासन पर निर्भर करता है, जो केवल तब विकसित होगा जब आप उसे जवाबदेह ठहराएं। पौलुस ने थिस्सलुनीकियों को अनुशासित जीवनशैली के अपने उदाहरण का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया (2 थिस्सलुनीकियों 3:7)। हालांकि हमारे नए स्टाफ में से कई वर्षों से विश्वासी थे, उन्होंने बाइबल अध्ययन, शास्त्र याद करना, ध्यान, प्रार्थना और पूजा को अपने दैनिक जीवन में शामिल नहीं किया था। लेकिन जब उन्होंने खुद को एक-से-एक संबंध में प्रतिबद्ध किया जिसमें उन्हें इन क्षेत्रों में जवाबदेह ठहराया गया, तो ईश्वर के प्रति गहरी भक्ति और एक स्वस्थ ईसाई समुदाय उत्पन्न हुआ।

दृष्टि का संचार करें

सुनिश्चित करें कि आपका संभावित शिष्य समझता है कि वह एक प्रक्रिया का हिस्सा है। पहले, यीशु के आदेश का पालन करने के लिए उसकी आज्ञाकारिता ने स्वयं को मृत्यु की आवश्यकता थी। फिर, उसका शिष्यत्व से पहले का संबंध उसे ईसाई जीवन जीने के लिए तैयार करता था। अब आप उसे एक कार्यशील शिष्य बनने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं— सुसमाचार प्रचार में शामिल होने और किसी अन्य की पूर्व-शिष्यता में। जैसे-जैसे वह मसीह में परिपक्व होगा, वह एक शिष्य-निर्माता बनेगा, जो वास्तव में अपना जीवन किसी अन्य शिष्य में निवेश करेगा। अंत में, जब उसका शिष्य दूसरों को शिष्य बनाना शुरू करेगा, तो वह शिष्य-निर्माताओं का नेता बन जाएगा।

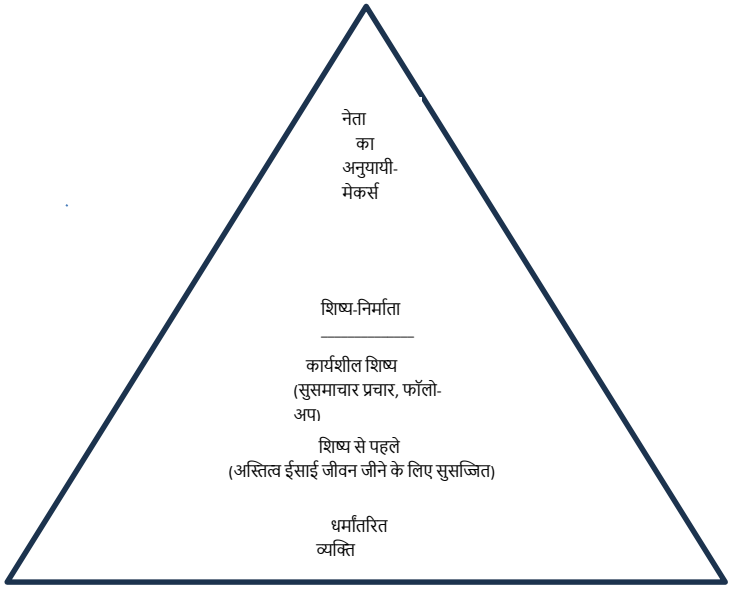

आपका संबंध केवल आपके शिष्य के व्यक्तिगत जीवन में आध्यात्मिक स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए नहीं है। कोई शिष्य स्वयं में एक लक्ष्य नहीं है, बल्कि परमेश्वर की महान योजना में एक कड़ी है जो प्रजनन के माध्यम से अपनी चर्च का विस्तार करना चाहता है। वह अपने शेष जीवन में दूसरों में निवेश करेगा।

उसे फैसला करने दो

शिष्यत्व के निहितार्थों को पूरी तरह समझाने के बाद, अपने संभावित शिष्य से कहें कि वह ऐसी प्रतिबद्धता के लिए एक या दो सप्ताह प्रार्थना करे। सकारात्मक प्रतिक्रिया जबरदस्ती करने की कोशिश न करें। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप उसे निर्णय लेने की स्वतंत्रता दें। केवल पवित्र आत्मा ही लोगों को शिष्यत्व संबंध के लिए बुलाता है। यदि वह इस प्रतिबद्धता के लिए तैयार नहीं है, तो आपके लिए यह जानना बेहतर होगा इससे पहले कि आप उसमें घंटे निवेश करें। मैं शिष्य चुनने में इन प्रत्येक चरण का पालन करने के महत्व को अधिक जोर नहीं दे सकता। आप शिष्य बनाना शुरू करने के लिए उत्सुक हो सकते हैं। यह सराहनीय है, लेकिन उत्सुकता को धैर्य के साथ संतुलित करना चाहिए— परमेश्वर के समय और परमेश्वर के व्यक्तित्व की प्रतीक्षा करना। दुर्भाग्य से, मैं स्वीकार करता हूँ कि कभी न कभी मैंने इन सभी चरणों की उपेक्षा की है, और हर बार इसने मेरी सेवा को शॉर्ट-सर्किट कर दिया है। एक व्यक्ति ने शिष्य के सभी गुण दिखाए सिवाय वफादारी के। यह मानकर कि मैं उसकी मदद कर सकता हूँ, मैंने परमेश्वर के मानक से समझौता किया। हमारा रिश्ता अठारह महीने तक बना रहा जब तक कि उसकी बेवफाई असहनीय नहीं हो गई। एक बार मैं इतना निश्चित था कि किसी पुरुष का दिल सही है कि मैंने प्रार्थना के माध्यम से भगवान की पुष्टि नहीं की। यह "आदर्श शिष्य" दो महीने में चला गया। कई लोग जिन्होंने शिष्य बनने की मांग की थी, उनके पास बेहतरीन योग्यता थी— प्रभावशाली डिग्रियां, भव्य सिफारिशें। मैं पहले उन्हें उनकी ईसाई प्रतिबद्धता को निभाते हुए देखने के लिए बहुत शर्मिंदा होता था। लेकिन हमारा रिश्ता अनिवार्य रूप से शिष्यत्व से पहले निकला, जो ईसाई मूल बातों में अपरिपक्व विश्वासियों को पोषित करता था। इसमें खतरा यह है कि छात्र मान लेता है कि वह शिष्य है और इसलिए दूसरों को शिष्य बनाने के लिए तैयार है। यह उसकी आत्म-मृत्यु को लंबा खींचता है और यह गलतफहमी मजबूत करता है कि उसका मूल्य कौशल में है, चरित्र में नहीं। यदि आप शिष्यत्व से पहले के संबंध में हैं, तो इसे ऐसा ही कहें, भले ही आप शिष्यत्व की ओर बढ़ रहे हों। एक बार मैंने यह तय किए बिना शिष्यत्व संबंध शुरू किया कि क्या अपेक्षित होगा। उस व्यक्ति ने मुझे आश्वासन दिया कि उसे पता है कि इसमें क्या शामिल है, लेकिन वह कभी भी आज्ञाकारी नहीं था। वह शिष्य बनना नहीं चाहता था; वह बिना जिम्मेदारी के संगति चाहता था। मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप मेरी गलतियों से सीखें। यदि आप शिष्य चुनने के इन चरणों का पालन करते हैं, तो गुणवत्ता वाले प्रजनन की संभावना अधिक होगी और जो आनंद आप अनुभव करेंगे वह अपार होगा।

शिष्य की चेकलिस्ट – शिष्य चुनना
____I अपने शिष्य के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया है।
____He ईश्वर को गहराई से जानना चाहता है।
____He उपलब्ध है।
____He आज्ञाकारी है।
____He वफादार है।
____He शिष्य बनने की कोशिश करता है।
____I लगन से प्रार्थना की है।
____I सावधानी से चुना है।
____I पहल कर ली है।
____I निमंत्रण जारी कर दिया है।
____I रिश्ते को समझा दिया है।
____I ने यह दृष्टि संप्रेषित की है।
____I उसे निर्णय लेने दिया है।

चरण 6: *व्यक्तिगत प्रार्थना अनुरोध साझा करें, फिर प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे की मांगों के लिए प्रार्थना करता है।*

मूल: शिष्य का निर्माण डॉ. कीथ फिलिप्स द्वारा। प्रकाशक: फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी, 1981। ISBN 0-8007-1181-5। परिचय रॉबर्ट ई. कोलमैन द्वारा। सामग्री (अध्ययन प्रश्नों को छोड़कर) पुस्तक से बिना संशोधन के ली गई है।
संशोधित 20261012